महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) *(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)*

भूमंडलीकरण में ध्वस्त किसान की कहानी '...और वे आगे निकल गये' नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग की प्रस्तुति

वर्धा, दि. 12 सितंबर 2012 : एसिटेज इंडिया, कॅम्पस थिएटर इलाहाबाद तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविदयालय, वर्धा व्दारा आयोजित 'रंगमंच और युवा दर्शक' इस विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मे ' भूमंडलीकरण मे ध्वस्त किसान और उनकी आत्महत्याओं पर आधारित '...... और वे आगे निकल गये'' नाटक प्रस्तुत किया गया।

यह नाटक मकरंद साठे(पुणे) ने लिखा था। डॉ. सतीश पावडे व्दारा इस नाटक का अनुवाद एवं निर्देशन किया गया था। भूमंडलीकरण के दुष्टचक्र ने हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन ध्वस्त कर दिया है।

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

किसान बेकारी,गरीबी, भूखमरी, कंगाली तथा कर्ज के बोझ में आत्महत्या करने लगे हैं। बदलते परिवेश मे बढती घूटन, तंगहाली, बदहवासी मे जिते किसानों की दुखभरी दास्तान प्रतिकात्मक ढंग से इस नाटक में दर्शाई गई है।

हस कोई आगे जाने की अंधी होड में लगा है। तृष्णाओं के चक्रव्यूह मे फंसा हुआ है। ‘लक्झरियस’ जीवन के आत्मकेंद्री, स्वार्थलोलुपता, अय्याशी और मोह में समाज जकडता जा रहा है। भूमंडलीकरण जीवन की स्वाभाविकता को, नैतिकता को, सामाजिक सौहार्द को खत्म कर भष्मासूरी प्रवृत्तियों को जन्म दे रहा है।

यही बात इस नाटक में नाटककार मकरंद साठे ने प्रभावी ढंग से दशाई है। डॉ. सतीश पावडे द्वारा 'लेबोरेटरी थिएटर'की परिकल्पना में उसका निर्देशन किया गया है। बिंबों के माध्यम से किसान, ग्रामीण कृषि व्यवस्था कृषि जीवन पर भूमंडलीकरण व्दारा किये जा रहे बलात्कार का दिल दहलाने वाला चित्र दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस नाटक में मुख्य भूमिकाएं चैतन्य आठले तथा अभिषेक कुमार ने अदा की। श्वेता क्षीरसागर ने पत्नी की भूमिका की। निर्देशन सहाय सुनीता थापा ने किया।

This document was created by Smart PDF Creator. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

प्रकाश आयोजन अमोल अढाऊ, प्रस्तुति संयोजक, अश्विनी कुमार सिंह तथा नीरज उपाध्याय संगीत नियोजन रवि मुंढे, रंगमंच व्यवस्था गौरव मिश्रा,अशोक बैरागी, सुर्यकान्त वर्मा, विवेक कुमार, जफर पठान व्दारा की गयी।

रूपसज्जा- वस्त्र सज्जा तथा दृश्य विन्यास-मनीष कुमार, नितीन धाबेकर द्‌वारा की गयी। निर्माण सलाहागार के रूप के नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश भारती, डॉ. विधु खरे, डॉ. रयाज हसन तथा अखिलेश दीक्षित ने काम किया।

बी. एस. मिरगे

जनसंपर्क अधिकारी

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com